नवल किशोर शर्मा
राज्यपाल, गुजरात

राजभवन
गांधीनगर-३८२ ०२०

दिनांक १७-११-२००७

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण एवं मानवीय मूल्यों के उत्थान के लिए पिछले २५ वर्षों से समर्पित अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक मुनिश्री लोकेशजी को आगामी १५ दिसम्बर २००७ को फिक्की ओडिटोरियम नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में युवाचार्य पद प्रदान किया जा रहा है। वे एक प्रखर चिंतक, मौलाक लेखक, कवि और ओजस्वी वक्ता के रूप में जाने जाते है। समाज में अहिंसा, शांति और सद्भावना की स्थापना के लिए २५ हजार किलोमीटर से अधिक पद्यात्रा कर उन्होंने एक मिसाल कायम की है। खासकर गुजरात में साम्प्रदायिक हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में शांति के लिए उनके द्वारा किये गए प्रयास उल्लेखनीय है। उनकी पद यात्राओं से लाखों व्यक्तियों में नैतिक मूल्यों के प्रति आस्था जागृत हुई है। उन्होंने धर्म को आध्यात्मिक शाक्ति में रूपांतरित कर विज्ञान से और समाज सेवा से जोडने में अनुठी कामयाबी हासिल की है। जिससे युवापीडी धर्म के निकट आती जा रही है। उनके नेतृत्व में कन्याभ्रूण हत्या के खिलाफ तथा नशा के विरूध्द देशव्यापी महा अभियान चल रहा है, वह अत्यन्त सराहनीय प्रयास है। उनके द्वारा प्रस्तुत :पीस एजुकेशन: कार्यक्रम मुल्य परक शिक्षा के क्षेत्र में तथा :अहिंसा प्रशिक्षण: कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता एवं मानवीय एकता के लिए उपयोगी सिध्द हो रहे हैं। वे एक अच्छे समाज सुधारक होने के साथ साथ श्रेष्ठ साहित्यकार भी है।उनके द्वारा कन्याभ्रूणहत्या के खिलाफ लिखा गया उपन्यास : अजन्मा अभिशाप: अनेक भाषाओं में अनुदित होकर प्रकाशित हुआ है। जिसके हिन्दी संस्करण का लोकार्पण तत्कालीन राष्ट्रपति डां० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम तथा अंग्रेजी संस्करण THE UN BORN COURSE का लोकार्पण कांग्रेस अध्यष श्रीमती सोनिया ग़ांधी ने किया था। उनका अन्य साहित्य भी हिन्दी, अंग्रेजी, गुजराती, तमिल, कन्नड बंगला तथा जर्मन भाषा में प्रकाशित हुआ है। यह जानकर और भी प्रसन्नता हुई है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के निमंत्रण पर मुनिश्री लोकेश की यू०एस०ए० यात्रा तथा वहां की सेनेट में पीस एजुकेशन और अहिंसा प्रशिक्षण पर चर्चा में रिपब्लिकन एवं डेमोक्रेटिक दोनों ही पार्टी के सदस्यों का भाग लेना भारत के लिए गौरव का विषय है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा वहां की यात्रा का निमंत्रण उनकी आलौकिक प्रतिभा का ही परिचायक है।

राष्ट्रीय एकता समिती के संचालक ज्योर्तिविद् आचार्य श्री मानमल जी ने विलक्षण प्रतिभा के धनी मुनि श्री लोकेश जी का युवाचार्य पद पर मनोनयन कर अत्यंत विवेकपूर्ण निर्णय किया है। अत: मैं उन्हें एवं नव मनोनीत युवाचार्य श्री को हार्दिक बधाई सम्प्रेषित करता हूं।

(नवल किशोर शर्मा)

दूरभाष : 3793438
3019080

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

24, अकबर रोड, नई दिल्ली 110011

सोनिया गांधी
अध्यक्ष

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय चरित्र–निर्माण एवं मानवीय मूल्यों के उत्थान के लिए पिछले 25 वर्षों से समर्पित अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक मुनिश्री लोकेशजी को युवाचार्य पद प्रदान किया जा रहा है। वे एक प्रखर चिंतक, मौलिक लेखक, कवि और ओजस्वी वक्ता के रूप में विख्यात हैं। समाज में अहिंसा, शांति और सद्भावना की स्थापना के लिए उन्होंने पदयात्राएं भी कीं, ख़ासकर गुजरात के हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में सांप्रदायिक सद्भाव एवं शांति के लिए उनके द्वारा किए गये प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने धर्म को आध्यात्मिक शक्ति में रूपांतरित कर उसे विज्ञान से और समाज–सेवा से जोड़ने का भी प्रयास किया है। उन्होंने कन्या–भ्रूण हत्या और नशा के ख़िलाफ़ देशव्यापी अभियान चलाकर लोगों में चेतना पैदा करने का प्रयास किया है। वे एक अच्छे समाज–सुधारक होने के साथ ही श्रेष्ठ साहित्यकार भी हैं।

राष्ट्रीय एकता समिति के संचालक ज्योर्तिविद् आचार्य श्री मानमल जी ने विलक्षण प्रतिभा के धनी मुनिश्री लोकेश जी का युवाचार्य पद पर मनोनयन कर अत्यंत विवेकपूर्ण निर्णय किया है।

इस ज़िम्मेदारी हो वह भलीभांति निभाने में कामयाब हों इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

14 दिसंबर, 2007

10, जनपथ, नई दिल्ली - 110011 दूरभाष : 3014481, 3015584